सप्तदश बिहार विधान सभा

पंचम सत्र

दैनिक विवरणिका

संख्या-13 **बुधवार, दिनांक-16 मार्च, 2022 ई०।**

माननीय अध्यक्ष श्री विजय कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में सभा की कार्यवाही प्रारंभ हुई।

समय : 11:00 बजे पूर्वाह्न से 11:22 बजे पूर्वाह्न तक।

सदन की कार्यवाही प्रारम्भ होते ही माननीय सदस्य, श्री ललित कुमार यादव द्वारा कहा गया कि दिनांक 14.03.2022 को सदन में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा आसन पर की गयी टिप्पणी अशोभनीय है। आसन को अपमानित और हतोत्साहित किया गया जिससे पूरा सदन मर्माहत है। इसलिए पूरे सदन की इच्छा है कि इसपर विमर्श हो और कोई निर्णय निकले।

माननीय मंत्री, संसदीय कार्य विभाग, श्री विजय कुमार चौधरी द्वारा कहा गया कि आसन की उँचाई इतनी है कि कोई चाहकर भी इसका अपमान नहीं कर सकता, न ही सरकार या माननीय मुख्यमंत्री की कभी ऐसी मंशा हो सकती है। जो घटना घटी है, सरकार उसका संज्ञान ले रही है।

तदुपरान्त आसन द्वारा कहा गया कि सत्रहवीं विधान सभा का यह पाँचवां सत्र है। अबतक के सत्र और सत्र की बैठकों में लगभग 98 प्रतिशत कार्यों का निष्पादन हुआ है। लगभग पूरे समय सदन चला है। विगत दो-तीन दिनों से कुछ गतिरोध आया है।

पिछले दो-तीन दिनों में या इस सत्र के आरम्भ से ही सदन में जो कुछ हो रहा है उससे आप सब वाकिफ हैं। आप सबों का प्रश्न पूछना, सरकार को उत्तर देना, आसन को आप सबों द्वारा संरक्षण देते हुए सदन का संचालन करना यही संसदीय परम्परा में होता रहा है। मैंने भी इस परम्परा का निर्वाह किया है।

अब जब मैं इस आसन पर हूँ, किसी मामले में विरोधी दल के सदस्यों का तीखा विरोध देखा हूँ और कभी सरकार का उत्तर देते हुए आपा खोते हुए भी देखा हूँ। परन्तु आसन की विवशता है कि आम जनता के दु:ख-दर्द का निपटारा इस सदन के माध्यम से हो सके, इसका निर्वाह करना है।

जो कुछ भी अप्रिय बातें हुई उनपर मेरी, सदन नेता और कुछ वरिष्ठ मंत्रिगण से बातें हुई। सदन नेता इस संबंध में सदन में अपना वक्तव्य देंगे।

सदन नेता और नेता प्रतिपक्ष लोकतंत्र की दो आँखें हैं और दोनों स्वस्थ एवं सक्षम रहे ताकि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में अपने कर्त्तव्यों का पालन ईमानदारी से कर सकें।

मेरी आप सबसे गुजारिश है कि हमें जनप्रतिनिधि के रूप में मिले अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। हम सबका मूल उद्देश्य यही है कि हम अपने क्षेत्र की जनता और इस राज्य की बेहतरी के लिए सदन में विमर्श करें और साकारात्मक हल निकालें।

आसन द्वारा पुन: कहा गया कि इंसान को मृत्यु से नहीं बल्कि अपयश और बदनामी से डरना चाहिए। मैंने इसी मूलमंत्र को लेकर आज तक अपना व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन जिया है। हमेशा सिर झुकाकर लोगों से मिले प्यार और प्रतिष्ठा को ग्रहण किया है और खुले दिल से हँसते-हँसते चुनौतियों को स्वीकार किया है। मेरी अटल आस्था रही है, हमसे पहले यह देश और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था है। लोग आएंगे, चले जाएंगे लेकिन यह देश बना रहेगा। अत: मेरे मन, वचन और कर्म से इस महान देश की विराट प्रतिष्ठा पर रंच मात्र भी आंच न आने पाए।

बीते दिनों में जो कुछ भी हुआ। उसे इस पवित्र सदन की गरिमा के लिहाज से कतई उचित नहीं कहा जा सकता। हमारा आज आने वाले कल का इतिहास है और इतिहास की दृष्टि बड़ी तीक्ष्ण और बारीक होती है। हमारा आज का आचरण और व्यवहार जब इतिहास का हिस्सा बन जाता है तब उसे सही या गलत साबित करने को हम मौजूद नहीं होते हैं। इसलिए हम वर्तमान व्यवहार को नियम-कायदे और मर्यादा की परिसीमा में रखें तो आने वाला समय हमें याद रखे न रखे पर हमसे नजर चुराने को मजबूर न होगा।

राजनीति एक ऐसा क्षेत्र है, जहाँ परस्पर विरोध हो सकता है, विरोधियों को मित्र बनाने की कोशिश होती है, लेकिन यहाँ कोई शत्रु नहीं होता। 'राजनीति की रपटीली' राहों में फूल भी है, शूल भी, धूल भी है, गुलाब भी, कीचड़ भी है, चंदन भी, सुंदरता भी है, कुरुपता भी और इनमें से किसी से भी अपना दामन बचाकर नहीं चल सकते। हमें बुराई के कीचड़ पर पाँव जमाकर फूल की तरह खिलना होता है। हमें फूल की तरह संघर्ष का धूप झेलकर अपने क्षेत्र और परिवेश को खूबसूरत बनाने का प्रयास करना पड़ता है।

मैंने आज तक के अपने सार्वजनिक जीवन को इसी सरलता, सहजता और साफगोई से जीने का प्रयास किया है। बीते दिनों जो कुछ भी हुआ, वैसा दोबारा न होने पाए यह संकल्प लेकर आगे बढ़ना होगा। जब हम और आप यहाँ नहीं होगे, हमारे निशाँ यहाँ होंगे। तब नाम-पद-प्रतिष्ठा के बजाए वही हमारी पहचाने होंगे।

हम जिस महान सदन के अंग हैं, वहाँ की परंपरा हमें यही कहती है- ''स्वीकार करने की हिम्मत और सुधार करने की नीयत हो तो इंसान बहुत कुछ सीख सकता है।'' हमारे देश में लोकतंत्र की जड़ें इतनी गहरी हैं कि इसे हवा के छोटे-मोटे झोंके हिला नहीं सकते। यह व्यवस्था हमें सिखाती है कि बिना घृणा के विरोध किया जा सकता है और बिना हिंसा के समाज की बेहतरी हो सकती है।

अत: हमें अपनी लोकतांत्रिक परंपरा और संवैधानिक व्यवस्था को ध्यान रखते हुए अप्रिय प्रसंगों की तरफ पीठ करते हुए आगे बढना है। इस मर्यादा और कल्याण के रास्ते पर हम सबको मिलकर चलना है। अंत में आप से श्रद्धेय अटल जी की लिखी चार पँक्तियाँ कहना चाहूँगा-

''उजियारे में अंधकार में
कल कहार में, बीच धार में
घोर घृणा में, पूत प्यार में
क्षणिक जीत में, दीर्घ हार में
जीवन के शत-शत आकर्षक
अरमानों को ढलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा।''

आसन द्वारा कहा गया कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने विश्वास दिलाया है कि विधायिका की शक्ति को हर हाल में मजबूती देंगे और लोकतंत्र के मंदिर की प्रतिष्ठा कभी गिरने नहीं देंगे। यह लोकतंत्र की खूबसूरती है कि जब भी विधायिका पर किसी तरह की बात आती है तो विधायिका के सम्मान को बचाने के लिए सब एकजुट होकर खड़े होते हैं।

तदुपरान्त आसन द्वारा सूचित किया गया कि विशेषाधिकार समिति की बैठक दिनांक 25.03.2022 को निर्धारित है। उक्त बैठक में ही इस विषय की समीक्षा होगी। विधायिका को किसी कीमत पर कमजोर नहीं होने देंगे। यह हमारा वादा है आपसे, आप हम पर भरोसा कर सदन को चलने दे।

तत्पश्चात माननीय उप मुख्यमंत्री, श्री तारकिशोर प्रसाद द्वारा कहा गया कि सदन पूरे राज्य का आईना है। हम सभी यहाँ लोकतांत्रिक पद्धति से चुनकर आते हैं और राज्य के लोगों की सेवा करते हैं। इस लिए सदन चलनी चाहिए। पूरे वर्ष में बजट सत्र का महत्व है। सदन चले इसके लिए सरकार हमेशा सहयोग के लिए तैयार है।

परन्तु विपक्ष के माननीय सदस्यगण दिनांक 14.03.2022 की घटना पर चर्चा किये जाने की मांग पर अड़े रहे तथा शोरगुल और नारेबाजी करते हुए वेल में आ गये।

आसन द्वारा सदन को सुचारू रूप से चलने देने का बार-बार अनुरोध किये जाने के बाद भी सदन में शांति कायम नहीं हो सकी और सदन की कार्यवाही 02:00 बजे अपराह्न तक के लिए स्थगित कर दी गयी।

भोजनावकाश के बाद

(02.00 बजे अपराह्न से 02.12 बजे अपराह्न तक)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

[1] **वित्तीय कार्य :-**

वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आय-व्ययक में सम्मिलित अनुदानों की मांगों [खंड-07 (उर्जा विभाग; मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग; योजना एवं विकास विभाग तथा विधि विभाग)] पर वाद-विवाद एवं मतदान:-

माननीय मंत्री, उर्जा विभाग, श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आय-व्ययक में सम्मिलित अनुदानों की मांगों में से उर्जा विभाग से संबंधित अनुदान की मांग को प्रस्तुत किया गया।

तदुपरान्त माननीय सदस्य, श्री ललित कुमार यादव द्वारा कटौती का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

इस दौरान विपक्ष के माननीय सदस्यगण दिनांक 14.03.2022 की घटना पर विस्तार से चर्चा किये जाने की माँग को लेकर शोरगुल एवं नारेबाजी करते हुए वेल में आ गए।

आसन द्वारा बार-बार शांति बनाये रखने एवं विपक्ष के माननीय सदस्यगण से अपने-अपने स्थान पर जाने का अनुरोध किया गया साथ ही कहा गया किसी भी गतिरोध या व्यवधान का समाधान हमलोगों को ही आपस में मिलकर करना है। वाद विवाद का समय निर्धारित है जिसमें आपको अपनी बातें रखने का मौका दिया जायेगा। सदन चलेगा तभी आप अपनी बातों को रख सकते हैं। सदन के सम्मान को कोई ठेस नहीं पहुँचा सकता है। आप सभी की सजगता सदन को मजबूती प्रदान करता है। मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि विधायिका को कोई कमजोर नहीं कर सकता। माननीय मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि विधायिका को हम मजबूती प्रदान करेगें।

माननीय संसदीय कार्य मंत्री, श्री विजय कुमार चौधरी तथा माननीय ग्रामीण विकास मंत्री, श्री श्रवण कुमार द्वारा सरकार की ओर से सदन को सुचारू रूप से चलने देने का अनुरोध किया गया।

लेकिन सदन में शांति कायम नहीं हो सकी और सदन की कार्यवाही 04:50 बजे अपराह्न तक के लिए स्थगित हुई।

स्थगनोपरान्त

(04.50 बजे अपराह्न से 05:00 बजे अपराह्न तक)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

माननीय मंत्री, उर्जा विभाग, श्री बिजेन्द्र प्रसाद द्वारा सरकार की ओर से उत्तर दिया गया।

माननीय मंत्री, उर्जा विभाग द्वारा अपने उत्तर के दौरान लखीसराय जिला स्थित कजरा में पावर ग्रिड की स्थापना की स्वीकृति मंत्रिमंडल से किये जाने की सूचना सदन को दी गयी, जिसपर आसन द्वारा माननीय मंत्री को विशेष रूप से धन्यवाद दिया गया।

सरकार के उत्तर से असंतुष्ट होकर विपक्ष के सभी माननीय सदस्यगण सदन से बहिर्गमन कर गये।

तदुपरान्त माननीय सदस्य, श्री ललित कुमार यादव द्वारा प्रस्तुत कटौती का प्रस्ताव सदन से अस्वीकृत हुआ तथा उर्जा विभाग से संबंधित अनुदान की मांग का मूल प्रस्ताव सदन से स्वीकृत हुआ।

[2] निवेदन :-

आसन से घोषणा की गयी कि आज के लिए स्वीकृत कुल 35 निवेदनों को सदन की सहमति से संबंधित विभागों को भेज दिये जायेंगे।

तदुपरान्त सभा की बैठक वृहस्पतिवार, दिनांक-17 मार्च, 2022 के 11.00 बजे पूर्वाह्न तक के लिए स्थगित हुई।

पटना
दिनांक-16.03.2022

शैलेन्द्र सिंह
सचिव,
बिहार विधान सभा, पटना।